



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | टिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| जीवन आदार न्यूज़ | 12.09.2021 | -- | -- |

Home > अखबार + दिला > एचएसके कृषि विश्वविद्यालय की देखभाल में जीवन आदार न्यूज़

दिला

एचएयू के होम साइंस कॉलेज को देशभर में मिली प्रथम रैंकिंग

SHARE



केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय द्वारा जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग क्रमबंदी (एनआईआरएफ) में दिला स्थान

दिला,

दिला शिखित हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बड़ा बड़ा और बड़ा उपराषिप हुआ है। शिखित हरियाणा के हांडिया गढ़वाली रुप दिला एचएसके के द्वारा दिला हुई विश्वविद्यालयी एवं एज्युकेशनल सेवा विश्वविद्यालयों में देशभर में दूसरा रैंकिंग हुआ है।

केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय द्वारा दिला एचएसके के द्वारा जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग (एनआईआरएफ) में दिला एचएसके के द्वारा दिला शहरी विश्वविद्यालय की दूसरी उपराषिप हुआ है। दिला एचएसके नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग (एनआईआरएफ) में दिला एचएसके के द्वारा जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग (एनआईआरएफ) में दूसरा रैंकिंग हुआ है। दिला एचएसके के द्वारा जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग (एनआईआरएफ) में दूसरा रैंकिंग हुआ है।

दिला एचएसके के द्वारा जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग (एनआईआरएफ) में दूसरा रैंकिंग हुआ है। दिला एचएसके के द्वारा जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग (एनआईआरएफ) में दूसरा रैंकिंग हुआ है। दिला एचएसके के द्वारा जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग (एनआईआरएफ) में दूसरा रैंकिंग हुआ है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | काँलम |
|--------------------|------------|--------------|-------|
| दैनिक सवेरा | 12.09.2021 | -- | -- |

ग्राणा

दैनिक **सवेरा**
दैनिक

एचएयू के होम साइंस कॉलेज को देशभर में मिली प्रथम रैंकिंग

- केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास नियंत्रण द्वारा जारी नीथित इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क ने गिला द्वारा



डॉ. ब्रज शिंह
हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय के
कुलपति और कॉलेज
की अध. कार्यालय
का पालन करते

का 2021 के लिए जारी नीथित इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग प्रैमिकर ने देशभर
में 1802 कालेज शामिल हुए थे।

शोध व शिक्षण कार्यों ने दिलाई यहांचान : महाविद्यालय की अधिकृता द्वारा विभिन्न छांडा ने कहा कि महाविद्यालय के शोध व शिक्षण कार्यों ने राष्ट्रीय स्तर पर यहांचान दिलाई है। इस यहांचान ने हमें जिम्मेदारियों के साथ भविकल में देशभर में नवर बन की रैंकिंग को कागम रखाने के लिए प्रयास जारी रहेंगे। उन्होंने यहांचान कि होम साइंस महाविद्यालयों की फैटेंगी ने प्रैंटेंट में प्रथम जनर्किंग देशभर में दूसरी रैंकिंग

इस आधार पर तय होती है रैंकिंग

केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी रैंकिंग के लिए विभिन्न मानदण्ड तय किए जाते हैं। इस रैंकिंग के लिए देशभर में यूनिवर्सिटी व अंतर्राष्ट्रीय के अंतर्गत साइंस, कृषि संकाय, मोशाल संकाय व अप्रकाशित संकाय के महाविद्यालय शामिल किए गए थे। इस रैंकिंग को प्रदान करने के लिए शिक्षण, अनुसंधान के अलावा अवाई के अलग-अलग अंक नियमित किए गए थे। इनमें शिक्षण व अनुसंधान गतिविधियों के अलावा जीव प्रेसरीट, विद्यार्थी अनुपत्ति, विद्यार्थी के उपलब्ध करनावाहन वास्तवी सुविधाएं, अनुसंधान के लिए सीख, उक्करणों के लिए बजट और उपकरण उपलब्ध प्रयोग, रिसर्च प्रोजेक्ट, पेटेंट आदि वाले अवधार बनाया जाता है।

हासिल को है जबकि लेडी इश्विन वर्सिल दिल्ली के प्रथम स्थान पर रहा

हक्किं की राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग यहांचान : कूलपति

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. अर. काम्पोज ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा हासिल की जाने वाली नित उपलब्धियों के बारंग ही अब राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर

इस विश्वविद्यालय की अलग पहचान है। उन्होंने कहा कि यह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा प्रथम रैंकिंग हासिल करना बहुत ही चौराव को बाबत है। उन्होंने महाविद्यालय की अधिकृता, शिक्षकों, काम्पचारियों व विद्यार्थियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि भविष्य में वेर अधिक ऊंचाइयां हासिल करने के लिए विशेष कार्रवाई जैसा तैयार कर कार्य किए जाएंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|---------|--------------|------|
| The Tribune | 12.9.21 | 2 | 1-3 |

HAU best among Central varsities in NIRF ratings

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, SEPTEMBER 11

In a major achievement for Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU), its Indira Chakravarty College of Home Science has secured the first rank among the state and Central farm universities across the country in the National Institutional Ranking Framework (NIRF) released by the Union Ministry of Human Resource and Development for 2021.

A total of 1,802 colleges from across the country were assessed. HAU Vice Chancellor Prof BR Kamboj said this feat was made possible due to the consistent efforts of the college staff. He said in order to achieve more heights in future, work would be done by preparing a special action plan.

"Various criteria have been



1,802 colleges from across the country assessed. TRIBUNE PHOTO

decided for the ranking by the Union Ministry of Human Resource and Development. Colleges of science, arts faculty, social science and applied science under the UGC and ICAR were included from across the country. In addition to teaching and research, job placement, student enrolment and pass out ratio, teacher-student ratio, facilities provided

to students, labs for research, budget for equipment and its proper use, research programmes and patents, etc. were the factors for deciding the ranking," a spokesperson of the university said.

College dean Bimla Dhandha said the research and teaching work had helped the college gain recognition at the national level.



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|---------|--------------|------|
| Indian Express | 10.9.21 | 6 | 3-4 |



CCSHAU (MOU)
VICE CHANCELLOR'S SECRETARY

CCSHAU pearl millet varieties are adopted across the states of India. MOU signed with three reputed companies for providing pearl millet seeds to farmers. The improved hybrid varieties of Bajra (Pearl millet) developed by Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University will now make their mark not only in Haryana but also in other states of the country. Targeting the easy availability of seeds to farmers across states, the University has signed the non-exclusive license agreements with three leading Indian companies for technology commercialization under Public Private Partnership mode. While signing the pact, Worthy Vice Chancellor, Prof. B.R. Kamboj said that research achievements of the scientists must reach the end users 'farmers'.



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

| सम्प्रचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|-----------------------|---------|--------------|------|
| २०२१ मार्च | १२.९.२१ | २ | ५-५ |

एचएयू के होम साइंस कॉलेज
को देशभर में मिली प्रथम रैंकिंग
नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में स्थान

भारत न्यूज़ | हिसार

प्रोफेसर बी.आर. कामोज व
अधिष्ठित डॉ. बिमला ढांडा ने
कहा कि महाविद्यालय के शोध व
शिक्षण कार्यों ने राष्ट्रीय स्तर पर
पहचान दिलाई है। इस पहचान ने
हमें जिम्मेदारियों के साथ भविष्य
में देशभर में नंबर वन की रैंकिंग
को कायम रखने के लिए प्रयास
जारी रखेंगे। उन्होंने बताया कि होम
साइंस महाविद्यालयों की कैटेगरी
में प्रदेश में प्रथम जबकि देशभर में
दूसरी रैंकिंग हासिल की है जबकि
लड़ी इश्विन कॉलेज दिल्ली प्रथम
स्थान पर रहा है।

एचएयू को इससे पहले भी वर्ष
1996 में भारतीय कृषि अनुसंधान
परिषद द्वारा सर्वश्रेष्ठ संस्थान
पुरस्कार, सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
पुरस्कार मिल चुके हैं और वर्ष
2016 में अनुसंधान के क्षेत्र में
विशिष्ट उपलब्धियों के लिए
सम्मानित किया जा चुका है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
जुम्हरताला

दिनांक
12.9.21

पृष्ठ संख्या
५

कॉलम
३-५

एचएयू के होम साइंस कॉलेज को देश में मिली प्रथम रैंकिंग

नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में मिली उपलब्धि, देशभर से शामिल हुए थे 1802 कॉलेज
मार्झ सिटी रिपोर्टर



हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय को देश के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों व केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों में प्रथम रैंकिंग मिली है। केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय को यह उपलब्धि हासिल हुई। इसमें देशभर से 1802 कॉलेज शामिल हुए थे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि गृह विज्ञान

शिक्षण, अनुसंधान के अलावा अवार्ड के अलग-अलग अंक निर्धारित किए गए थे। इनमें शिक्षण व अनुसंधान गतिविधियों के अलावा जॉब प्लेसमेंट, विद्यार्थियों के दाखिला और पास आउट अनुपात, शिक्षक व विद्यार्थी अनुपात, विद्यार्थी को उपलब्ध करवाई जाने वाली सुविधाएं, अनुसंधान के लिए लैब, उपकरणों के लिए बजट और उसका उचित प्रयोग, रिसर्च प्रोग्राम, पेटेंट को आधार बनाया जाता है।

महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. विमला ढांडा ने कहा कि विमलारियों के साथ भविष्य में नंबर वन की रैंकिंग को काम सखने के लिए प्रयास जारी रहेंगे। होम साइंस महाविद्यालयों की श्रेणी में प्रदेश में प्रथम, देशभर में दूसरी रैंकिंग मिली।



**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय**

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| पाठक पक्ष | 11.09.2021 | --- | --- |

एचएयू के होम साइंस कॉलेज को देशभर में मिली प्रथम रैंकिंग



हिसार(गा.न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक ओर बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृहविज्ञान महाविद्यालय ने देशभर के गांव कृषि विश्वविद्यालयों व केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों में प्रथम रैंकिंग हासिल की है। केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय को यह उपलब्धि हासिल हुई है। इसके अलावा होम साइंस महाविद्यालयों की कैटेगरी में देशभर में दूसरी रैंकिंग प्राप्त की है। केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग

फ्रेमवर्क में देशभर से 1802 कॉलेज शामिल हुए थे।

विश्वविद्यालय की गांदीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग

पहचान : प्रोफेसर वी.आर. काम्बोज

विश्वविद्यालय के कृतिपति प्रोफेसर वी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा हासिल की जाने वाली निचे उपलब्धियों के कारण ही आज गांदीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस विश्वविद्यालय की अलग पहचान है। उन्होंने महाविद्यालय की अधिकारी, शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि भविष्य में और अधिक कैंचाइयां हासिल करने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार कर कार्य करना होगा। साथ ही महाविद्यालय को हर प्रकार की सुविधा व सहायता प्रदान करते हुए प्रयास किए जाएंगे।

शोध व शिक्षण कार्यों ने दिलाई पहचान

महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि महाविद्यालय के शोध व शिक्षण कार्यों ने गांदीय स्तर पर पहचान दिलाई है। इस पहचान ने हमें जिम्मेदारियों के साथ भविष्य में देशभर में नवर वन की रैंकिंग को कायम रखने के लिए प्रयास जारी रहेंगे। इस रैंकिंग का क्रेय महाविद्यालय के शिक्षकों, गैर शिक्षकों व छात्राओं को जाता है जिन्होंने कड़ी मेहनत कर यह मुकाम हासिल किया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| पल पल | 11.09.2021 | -- | -- |

एचएयू के होम साइंस कॉलेज को देशभर में मिली प्रथम रैंकिंग

केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय द्वारा जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में

पल पल न्यूज़: हिसार, 11 सितंबर (नवमोहन शर्मा) इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में नीतीय चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम के अंतर्गत एक और गुरु थे। विश्वविद्यालय के कुलपालीय बड़ी उत्तराधिकारी जड़ रहे हैं। एक विश्वविद्यालय के इंटर्न व्यक्तिगतीय गुरु विद्यालय महाविद्यालय द्वारा लोकल की गृह विद्यालय महाविद्यालय ने देशभर के गुरु विद्यालय के अंतर्गत एक और गुरु विश्वविद्यालय के कारण हो आज राष्ट्रीय के देशभर कृषि विश्वविद्यालयों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस प्रथम रैंकिंग में ही है। केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय की अलग पहचान है। उहोंने महाविद्यालय की अधिकारी, शिक्षकों, कर्मचारियों 2021 के लिए, जारी नेशनल व विद्यार्थियों को इस अंतर्विद्यालय के इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में लिए बधाया है। उहोंने कहा कि विश्वविद्यालय के गुरु विद्यालय भविष्य में और अधिक ऊँचाइयां महाविद्यालय को यह अंतर्राष्ट्रीय हासिल करने के लिए विशेष हासिल हुई है। इसके अलावा हामी साइंस महाविद्यालयों की रैंकिंग में होंगा। साथ ही महाविद्यालय को देशभर में दूरारी रैंकिंग प्राप्त की है। हर प्रकार की सुविधा व सहायता केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास प्रदान करते हुए प्रयत्न किए अनुरोध भारत मंत्रालय द्वारा वर्ष

शोध व शिक्षण कार्यांने दिलाई एचएयू को पहचान



2021 के लिए, जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में देशभर से 1802 कालेज शामिल हुए थे। विश्वविद्यालय के कुलपालीय विद्यालय की अधिकारी डॉ. विमला शर्मा ने कहा कि महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. विमला शर्मा ने गोपीनाथ नारायण कालेज में विद्यालय अंतर्राष्ट्रीय पहचान ने हमें जिम्मेदारियों के द्वारा भविष्य में देशभर में नवाच बन की रैंकिंग जो कार्यम रखने के लिए प्रयत्न साधारण जारी रहें। इस रैंकिंग के द्वारा महाविद्यालय के शिक्षकों, और शिक्षकों व छात्रों को जारी है जिससे कहीं भेदन हो यह युक्ति देशभर के लिए विशेष हासिल किया गया है। इससे पहले भी कई देशभर में प्रयत्न स्थान हासिल किया था। उसके विश्वविद्यालय के नाम चौपाई चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को पर्यवर्त (अविनीतिमान), कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 2019 के लिए जारी आईसीएआर रैंकिंग में तीसरा स्थान मिला था।

इस आधार पर तय होती है रैंकिंग

केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी रैंकिंग के लिए विशेष मानदण्ड तय किए जाते हैं। इस रैंकिंग के लिए देशभर से यूनिवर्सिटी व अविनीतिमान के अंतर्गत साकार, कला संकाय, संस्कृत साहस्र व अपालढ़ि भाषाओं के महाविद्यालय शामिल विषय गण हैं। इस रैंकिंग को प्रदान करने के लिए विद्यालय, भारत सरकार के अंतर्गत अवाई के अंतर्गत अंतर्गत अंतर्गत विषय गण हैं। इसमें विद्यालय व अनुसंधान गतिशीलियों के अलावा जनवरी सेमेस्टर, विद्यार्थियों के विद्यालय और पाठ्य आउट अनुपत्ति, विद्यार्थी के विद्यालय अनुपत्ति, विद्यार्थी के उत्तरालय करवाई जाने वाली सुविधाएं, अनुसंधान के लिए लैन, अवकाशों के लिए बहुत और अक्षय अवृत्ति प्रयोग, रिसर्च प्रोग्राम, पैटेंट अदि के अध्ययन जाता है।



**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय**

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| एस १२ तुड़ | 11.09.2021 | -- | -- |

एचएयू के होम साइंस कॉलेज को देशभर में मिली प्रथम रैंकिंग

टुडे न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। विश्वविद्यालय के हांदा चक्रवर्ती गृह विज्ञन महाविद्यालय ने देशभर के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में प्रथम रैंकिंग हासिल की है। केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फैसले के अनुसार विश्वविद्यालय के गृह विज्ञन महाविद्यालय को यह उपलब्धि हासिल हुई है।

केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फैसले के अनुसार विश्वविद्यालय को यह उपलब्धि हासिल हुई है। उन्होंने कहा कि गृह विज्ञन महाविद्यालय द्वारा प्रथम रैंकिंग हासिल करना बहुत ही गोरखी की बात है। उन्होंने महाविद्यालय की अधिकारी, शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति देशभर से 1802 कॉलेज शामिल हुए थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. आर. कामोज ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा हासिल की जाने वाली नित उपलब्धियों के कारण ही आज गोरखी व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस विश्वविद्यालय की अलग पहचान है। उन्होंने कहा कि गृह विज्ञन महाविद्यालय द्वारा प्रथम रैंकिंग हासिल करना बहुत ही गोरखी की बात है। उन्होंने महाविद्यालय की अधिकारी, शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के में और अधिक कंचाइयां हासिल करने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार कर कार्य किए जाएं। केंद्रीय



विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. आर. कामोज एवं गृह विज्ञन महाविद्यालय का फोटो।

मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय द्वारा जारी रैंकिंग के दखिला भारत सरकार द्वारा जारी रैंकिंग के ओर पास आउट अनुप्राप्त, विद्यार्थी लिए विभिन्न मापदण्ड तथा लिए जाते विद्यार्थी अनुप्राप्त, विद्यार्थी हैं। इस रैंकिंग के लिए देशभर से जो उपलब्ध करवाई जाने वाली यूजीसी व अर्सीएआर के अनावृत सुविधाएँ, अनुसंधान के लिए साईंस, कला संसाधन, सोशल साइंस लेख, उपकरणों के लिए बजट व अपनाड साईंस के महाविद्यालय और उन्हें उचित प्रोग्राम, रिसर्च शामिल किए गए थे। इस रैंकिंग को प्रदान करने के लिए शिक्षण, बनाया जाता है। महाविद्यालय की अनुसंधान के अलावा अवार्ड के अधिकारी डॉ. विजया दांडा ने कहा अस्टा-अस्टा अवार्ड नियमोंतुत किए कि महाविद्यालय के शास्त्र व शिक्षण कार्यों ने गोरख स्तर पर पहचान ग्राहित किए जाएं। केंद्रीय

केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय द्वारा जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फैर्मटर्क में मिला स्थान

इससे पहले भी कई उपलब्धियां विश्वविद्यालय के नाम

योद्धे घटना शिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा जारी पहले जीव 1996 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा सर्वोच्च स्तरवाल

पुरस्कार, लोकप्रिय अनुसंधान परिषद भूतीय कृषि अनुसंधान परिषद

पुरस्कार मिल चुके हैं और वर्ष 2018 में अंतर्राष्ट्रीय के भेट्रो में रिपोर्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया जा सुका है। इसी प्रकार विश्वविद्यालय ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से जारी अस्टा रैंकिंग अंड प्रोफेसर द्वारा जारी अस्टा रैंकिंग में कृषि विश्वविद्यालयों में रैंकिंग में प्रदान स्तरवाल हासिल किया जा रहा है। विश्वविद्यालय की अधिकारी डॉ. विजया दांडा ने कहा अस्टा-अस्टा अवार्ड नियमोंतुत किए कि महाविद्यालय के शास्त्र व शिक्षण कार्यों ने गोरख स्तर पर पहचान दिलाई है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| नाभ-२५१२ | 11.09.2021 | -- | -- |

हकृषि के होम साइंस कॉलेज को देशभर में मिली प्रथम रैंकिंग

हिसार/11 सितंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय ने देशभर के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों व केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों में प्रथम रैंकिंग हासिल की है। केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय द्वारा वर्ष 2021 के लिए जारी

नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय को यह उपलब्धि हासिल हुई है। इसके अलावा होम साइंस महाविद्यालयों की कैटेगरी में देशभर में दूसरी रैंकिंग प्राप्त की है। इसमें कुल 1802 कॉलेज शामिल हुए थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा हासिल की जाने

वाली नित उपलब्धियों के कारण ही आज राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस विश्वविद्यालय की अलग पहचान है। उन्होंने महाविद्यालय की अधिष्ठाता, शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि महाविद्यालय के शोध व शिक्षण कार्यों ने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

| सम्माचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|----------------------|------------|--------------|------|
| पात्र बटु | 11.09.2021 | -- | -- |

एचएयू के होम साइंस कॉलेज को देशभर में मिली प्रथम रैंकिंग

केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय द्वारा जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में मिला स्थान

पात्र बटु

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक और छठे बालांड़ी ट्रॉफी हुई। विश्वविद्यालय के गोदान बोर्ड की वार्षिक एवं विद्यालयीय व कैटेग्री कृषि विश्वविद्यालय में प्रथम रैंकिंग हासिल की है।

केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरॉफ) में विश्वविद्यालय के होम साइंस कॉलेज को यह उपलब्ध हासिल हुई है। इसके अलावा होम साइंस इंस्टीट्यूशनों के कैटेग्री में देशभर में दुसरे रैंकिंग जारी की है। केंद्रीय मानव संसाधन एवं विश्वविद्यालय की अवधारणा द्वारा वर्ष 2021 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क से 1802 कॉलेज गोलान दुप्पे।

विश्वविद्यालय की गोलान्ड्युप अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आतंग पहचान, प्रो. काम्बोज विश्वविद्यालय के कुलपति प्रैक्षकर



बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय

इस हासिल की जाने वाली नित उत्पादित्य कर भव्य करने होगा।

मात्र ही विश्वविद्यालय को हट प्रकार की सुविधाओं

में कारबंदी से आगे रहती व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस विश्वविद्यालय की अवधारणा जारी रखाना है।

उक्तने विश्वविद्यालय की अधिकारी, विद्यका,

कम्पनीसार्वों व विद्यार्थियों को इस उत्पादित्य के

मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी रैंकिंग के

प्रविधि घोषणा की अवधारणा जारी रखाना है।

इस आवाहन पर तो होती है एकल

केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास

मंत्रालय भवन को एकिंग को

भवित्व में देशभर में नवर बन को एकिंग को

लिए विप्रिन्न मापदण्ड तय किया जाते हैं। इस

एकिंग को लिए देशभर से यूज़ीटी व

रैंकिंग को लिए देशभर से यूज़ीटी व

रिखिकों व छात्रओं को जाते हैं जिन्होंने कई

मेहरान कर यह युवाओं हासिल किया है।

इसके पहले भी कई उपलब्धियां

विश्वविद्यालय के नाम

लोटरी घर के लिए विद्यालय, अनुसंधान

के अलावा अब वह अन्तर्राष्ट्रीय अ

विश्वविद्यालय के लिए यह ए.

इसमें विश्वविद्यालय को इसके पाले भी वर्ष 1996

अनुसंधान विविधियों के अलावा जारी

में विविध विविध अनुसंधान विविध इस सर्वोच्च

स्टार्कर, सदाचार घरेल सव्वेच्छ

आठ अनुसंधान विविध अनुसंधान भारतीय कैंपस

में अनुसंधान के क्षेत्र जैक हैं और वर्ष 2016 में अनुसंधान के क्षेत्र

में विविध उत्पन्नियों के लिए सभी नामित किया

जा चुका है। इसी घरेल विविधियों के लिए सभी नामित किया

जा चुका है। इसी घरेल विविधियों के लिए सभी नामित किया

जा चुका है। इसी घरेल विविधियों के लिए सभी नामित किया

जा चुका है। इसी घरेल विविधियों के लिए सभी नामित किया

जा चुका है। इसी घरेल विविधियों के लिए सभी नामित किया

जा चुका है। इसी घरेल विविधियों के लिए सभी नामित किया

जा चुका है। इसी घरेल विविधियों के लिए सभी नामित किया

जा चुका है। इसी घरेल विविधियों के लिए सभी नामित किया

जा चुका है। इसी घरेल विविधियों के लिए सभी नामित किया

जा चुका है। इसी घरेल विविधियों के लिए सभी नामित किया

जा चुका है। इसी घरेल विविधियों के लिए सभी नामित किया

जा चुका है। इसी घरेल विविधियों के लिए सभी नामित किया

| सम्माचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|----------------------|--------|--------------|------|
|----------------------|--------|--------------|------|



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

| सम्पर्क पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---------------------|----------|--------------|------|
| कृषि रैंकिंग | 11.09.21 | -- | -- |

एचएयू के होम साइंस कॉलेज को देशभर में मिली प्रथम रैंकिंग

हांसी क्रांति न्यूज़

हिसार, : सुरेश शर्मा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। विश्वविद्यालय के इच्छिता चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय ने देशभर के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों व केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों में प्रथम रैंकिंग हासिल की है। केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फेमवर्क (हड्डुक्रम) में विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय को यह उपलब्धि हासिल हुई है। केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फेमवर्क (हड्डुक्रम) में देशभर से 1802 कॉलेज शामिल हुए थे। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान = प्रोफेसर डॉ. आर. काम्बोज विश्वविद्यालय के कुलपीठ प्रांकेसर डॉ. आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा हासिल की जाने वाली नित उपलब्धियों के कारण ही आज राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस विश्वविद्यालय की अलग पहचान है। उन्होंने कहा कि गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा प्रथम रैंकिंग हासिल करना बहुत ही गौरव की बात है। उन्होंने विज्ञान महाविद्यालय की अधिकृता, शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि भविष्य में और अधिक



अंचाइयां हासिल करने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार कर कार्य किए जाएंगे।

इस आधार पर तय होती है रैंकिंग

केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास

मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी रैंकिंग के लिए विभिन्न मापदण्ड तय किए जाते हैं। इस रैंकिंग के लिए देशभर से यूजीटीव आईसीएआर के अंतर्गत साइंस, कला संकाय, सोशल साइंस व अपलाइड साइंस के महाविद्यालय शामिल किए गए थे। इस रैंकिंग को प्रदान करने के लिए विशेष, अनुसंधान के अलावा अवार्ड के अलग-अलग अंक निर्धारित किए गए थे। इनमें विशेष व अनुसंधान गतिविधियों के अलावा जॉब सोल्यूशन्स, विद्यार्थियों के दाखिला और पास आउट अनुपात, शिक्षक व विद्यार्थी अनुपत्ति, विद्यार्थी को उपलब्ध करावाई जाने वाली सुविधाएं, अनुसंधान के लिए लैंब, उपकरणों के लिए बजाए और उसका उचित प्रयोग, रिसर्च प्रोग्राम, ऐंटेंट आदि को आधार बनाया जाता है। शोध व शिक्षण कार्यों ने दिलाई पहचान महाविद्यालय की अधिकृता डॉ. विमला दांडा ने कहा कि विश्वविद्यालय के शोध व शिक्षण कार्यों ने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। इस पहचान ने हमें विद्यार्थियों के साथ भविष्य में देशभर में नंबर वन की रैंकिंग को कायम रखने के लिए प्रयास जारी रहेंगे। उन्होंने बताया कि होम साइंस महाविद्यालयों की कैटेगरी



में प्रदेश में प्रथम जबकि देशभर में दूसरी रैंकिंग हासिल की है जबकि लेडी इविन कॉलेज दिल्ली प्रथम स्थान पर रहा है। इससे पहले भी कई उपलब्धियों विश्वविद्यालय के नाम चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को इससे पहले भी वर्ष 1996 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा सर्वश्रेष्ठ संस्थान पुरस्कार, सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पुरस्कार मिल चुके हैं और वर्ष 2016 में अनुसंधान के क्षेत्र में विशेष उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया जा चुका है। इसी प्रकार विश्वविद्यालय ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से जारी अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमेंट्स (चड्ढा) में कृषि विश्वविद्यालयों में देशभर में प्रथम स्थान हासिल किया था। विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 2019 के लिए जारी आईसीएआर रैंकिंग में तीसरा स्थान मिला था।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

| सुमाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---------------------|------------|--------------|------|
| ४२१८-४५ | 11.09.2021 | -- | -- |

एचएयू के होम साइंस कॉलेज को देशभर में मिली प्रथम रैंकिंग

■ विश्वविद्यालय द्वारा हासिल की जाने वाली नित उपलब्धियों के कारण ही आज राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस विश्वविद्यालय की अलग पहचान है:- कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज

हिसार, 11 सितम्बर (देशबन्धु)। हिसार स्थित हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय ने देशभर के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों व केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालयों में प्रथम रैंकिंग हासिल की है। केन्द्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ)में विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय को यह उपलब्धि हासिल हुई है। केन्द्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में देशभर से 1802 कॉलेज शामिल हुए थे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कहा है कि विश्वविद्यालय द्वारा हासिल की जाने वाली नित उपलब्धियों के कारण ही आज राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस विश्वविद्यालय की अलग पहचान है। उन्होंने कहा कि गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा प्रथम रैंकिंग हासिल करना बहुत ही गौरव की बात है। उन्होंने महाविद्यालय की अधिष्ठाता, शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। केन्द्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा गृह विज्ञान महाविद्यालय को यह उपलब्धि हासिल करवाई जाने वाली सुविधाएं, अनुसंधान के लिए लैब, उपकरणों के लिए बजट और उसका उचित प्रयोग, रिसर्च प्रोग्राम, पेटेंट आदि को आधर बनाया जाता है। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि महाविद्यालय के शोध व शिक्षण कार्यों ने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है।